मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम
सामान्य हिंदी व्याकरण

पाठ्यक्रम परिणाम :→

* इस मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम से छात्राएँ निम्नलिखित में सक्षम होगें :→

1. यह पाठ्यक्रम छात्राओं के हिंदी पठन कौशल के साथ-साथ रचनात्मक लेखन की योग्यता का विकास करने में सहायक है ।
2. व्यावहारिक हिंदी द्वारा छात्राओं की भाषा संबधि रूचि को प्रभावशाली बनाना ।
3. छात्राओं में शुद्ध उच्चारण और शुद्ध लेखन की योग्यता को बढ़ाना ।
4. व्यावहारिक हिंदी के बारें में छात्राओं को समझाते हुए उनको भाषा पर विशेष पकड तथा विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए भाषा के महत्त्व की जानकारी प्रदान करना ।

मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम
सामान्य हिंदी व्याकरण

कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम :→

* कोर्स पूरा होने के बाद छात्राओं में निम्नलिखित योग्यता का विकास होगा :→

1. भाषा रूपी भवन की रचना शब्द रूपी ईंट, व्याकरण रूपी सीमेंट के समुचित योग से संभव है ।
2. रचनात्मक लेखन में निखार आता है ।
3. हिंदी भाषा की वैज्ञानिकता और प्रयोजनीयता आधुनिक तकनीकी युग में सिद्ध होती है ।
4. व्याकरण के नियमों का ज्ञान, छात्राओंमें 'मौलिक' वाक्य संरचना की योग्यता का विकास करता है ।

सामान्य हिंदी व्याकरण

इकाई - 1

(क) भाषा, बोली और व्याकरण
(ख) वर्ण-विचार
(ग) शब्द - विचार
(घ) शब्द निर्माण (i) उपसर्ग (ii) प्रत्यय (iii) समास (iv) संधि
(ङ) शब्द - भण्डार
(i) तत्सम - तद्भव (ii) पर्यायवाची शब्द (iii) विलोम शब्द (iv) अनेकार्थी शब्द
(v) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (vi) श्रुतिसम - भिन्नार्थक शब्द

इकाई - 2

(क) संज्ञा (i) लिंग (ii) वचन (iii) कारक
(ख) सर्वनाम
(ग) विशेषण
(घ) क्रिया (i) काल (ii) वाच्य
(ङ) अव्यय (i) क्रिया विशेषण (ii) संबंधबोधक (iii) समुच्चयबोधक
(iv) विस्मयादिबोधक (v) निपात

इकाई - 3

(क) वाक्य - विचार
(ख) विराम - चिह्न
(ग) मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

इकाई - 4

(क) अलंकार
(ख) रस
(ग) छंद